तेरे दर्शन बिन हम जी नहीं पाएंगे | by Sheetal Pandey

प्रेमी अपनी अर्ज़ी प्रभु कैसे लगाएंगे
जब द्वार पे जाकर के तुझे देख ना पाएंगे

तेरी आदत मेरे श्याम तूने खुद ही लगाई है
ये प्रेम बढाकर के तुमने क्यों दूरी बधाई है
तेरे दर्शन बिन हे श्याम हम जी नहीं पाएंगे
जब द्वार पे जाकर के तुझे देख ना पाएंगे
प्रेमी अपनी अर्ज़ी .....

तेरी चौखट पे बाबा जब कदम बढ़ाते हैं
देख के तुझको मनमोहन सब कुछ पा जाते हैं
तेरी करुणा का अमृत बोलो कैसे पाएंगे
जब द्वार पे जाकर के तुझे देख ना पाएंगे
प्रेमी अपनी अर्ज़ी .....

बैंठ के तुम मंदिर में प्यारे रह नहीं पाओगे
अपना द्वार के पट जब खुद ही बंद कराओगे
पंकज तेरी खातिर सब कुछ कर जाएंगे
जब द्वार पे जाकर के तुझे देख ना पाएंगे
प्रेमी अपनी अर्ज़ी .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%b6%e0%a4%a8-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%a8-%e0%a4%b9%e0%a4%ae-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a4%b9%e0%a5%80%e0%a4%82-%e0%a4%aa/